<u>सच्ची है तूं सच्चा तेरा दरबार</u>

सच्ची है तूं सच्चा तेरा दरबार माता रानिए
करदे दया की इक नज़र इक बार माता रानिए

क़्या गम है कैसी उलझन
जब सिर पे तेरा हाथ है
हर दुख में हर संकट में
माता तूं हमारे साथ है
तूं प्यारी मां और जग तेरा परिवार माता रानिए

इक दो नहीं लाखों यहां आए बनाकर टोलियां
अपनी ज़ुबां खोले बिना भरकर गए हैं झोलियां
हर सुख मिलता है करके तेरा दीदार माता रानिए

तेरी दया की बूंद भी ममता का इक सागर बने
पत्थर कई हीरे हैं मां दर को तेरे छू कर बने
जन जन पे है तेरा बड़ा उपकार माता रानिए

तूं प्रेम की ज्योती जला हर दिल से नफरत को मिटा
रूठे हुए बिछड़े हुए भाई से भाई को मिला
युग युग तेरी पूजा करे संसार माता रानिए ॥